

When equivalent sounds are not available in the receptor language, we resort to make use of near equivalent sounds, to translate something from the script of source language. This is known as transliteration.

स्रोत भाषा के शब्द की वर्तनी पर ध्यान न देकर उसके उच्चारण को आधार मानकर लक्ष्य भाषा में उस उच्चारण के अनुरूप लिखने को प्रतिलेखन कहते हैं।

Without bothering about the sounds of the source language script, where you try to write down its pronunciation into the receptor language script, it is known as transcription.

अनुसृजन (Transcreation)

सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद में, खासकर पद्य के अनुवाद में भावात्मक अनुवाद की प्रक्रिया अपनाई जाती है। अच्छे कवि ही कविता का सफल अनुवाद कविता में कर पाते हैं। वे भावात्मक अनुवाद से एक कदम आगे बढ़ते हैं। वे मूल कवि का भाव ग्रहण करने के बाद उसके आधार पर अपनी ही कविता रचते हैं। इसे अनुसृजन कहा जाता है। मूल कविता का सृजन हुआ था। अनुवादक फिर से उसका सृजन अपनी भाषा में करता है। इस अनुसृजन में अनुवादक की प्रतिभा दिखाई देती है। उसका भी भाव इसमें जुड़ा रहता है। अनुसृजन करते समय अनुवादक कवि की मूल कविता के क्रम आदि में कुछ परिवर्तन, कुछ काट-छांट आदि भी कर बैठे, यह संभव है। अनुसृजन का सबसे अच्छा उदाहरण फिट्जेराल्ड कृत उमर खैय्याम के 'रूबाइयात' का अनुवाद है। फिट्जेराल्ड जैसे अनुवादक का अनुसृजन मूल कविता को गरिमा पहुँचाता है। आजकल साहित्य के अनुवादक 'अनुसृजन' शब्द को अधिक पसंद करते हैं।

अनुवाद में स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा दोनों की अनिवार्यता सिद्ध है। उदाहरणार्थ हम अंग्रेजी से हिन्दी या हिन्दी से अन्य प्रादेशिक भाषा में अनुवाद करते

हैं। लेकिन कभी-कभी लक्ष्य भाषा के अनुवादक स्रोतभाषा से परिचित नहीं रहते ऐसी हालत में अनुवाद की प्रक्रिया दोहरी होती है। जैसे रूसी से आधुनिक भारतीय भाषाओं में सीधे अनुवाद करना मुश्किल होता है। तब रूसी से अंग्रेजी में और अंग्रेजी से प्रादेशिक भाषा में अनुवाद किया जा सकता है। इसका प्रसिद्ध उदाहरण है रूबाइयात का अनुवाद। रूबाइयात के मूल लेखक उमर खैय्याम नामक फारसी कवि थे। उनकी रूबाइयात का प्रथम अनुवाद फिट्जेराल्ड ने किया था। वह अंग्रेजी में था। यह अंग्रेजी अनुवाद अत्यंत लोकप्रिय हुआ। इसलिए संसार की विभिन्न भाषाओं में फिट्जेराल्ड को ही रूबाइयात का मूल लेखक समझा गया।

Reg. No. : ...12520129068...

Name : ...Shahina Sharief...

Sixth Semester B.A. Degree Examination, April 2023

First Degree Programme Under CBCSS

Hindi Language and Literature

Core Course XIII

HN 1643 — ANUVAD : SIDHANT TATHA PRAYOG

(2020 Admission)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

1. प्रत्येक प्रश्न का एक वाक्य या एक शब्द में उत्तर लिखिए।

① अंतर भाषिक अनुवाद क्या है? ✓

② डॉ. भोलानाथ तिवारी ने अनुवाद की परिभाषा क्या दी है? भाषा एवं व्याकरणिक प्रतीकों की व्यवस्था है और अनुवाद इनकी प्रतीकों का प्रतिस्थापन है।

③ लक्ष्य भाषा क्या है? जिस भाषा में अनुवाद किया जाता है वह लक्ष्य भाषा है।

④ 'अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग' किसकी रचना है? कलशचन्द्र आर्य।

⑤ साहित्येतर अनुवाद की भाषा कैसी होनी चाहिए? शैली की प्रधानता न होकर विषय प्रधान होना चाहिए।

6. 'ऊंट के मुँह में जीरा' इसका समानार्थी अंग्रेजी मुहावरा क्या है? A drop in the ocean

7. कार्यालयीन अनुवाद को दो वर्गों में विभाजित किया गया है - वे कौन-कौन से हैं?

8. अनुकूलन से क्या तात्पर्य है? ✓

9. प्रयुक्ति क्या है?

⑩ अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद के लिए एक उदाहरण दीजिए।

• प्रेमचंद के हिंदी उपन्यास 'गोदान' का अंग्रेजी में

(10 × 1 = 10 Marks)

गिफ्ट ऑफ़ क्राउ नाम से हुआ अनुवाद

• 'चम्पू' उपन्यास का फिल्मोपकरण

P.T.O.